उत्तर प्रदेश पाठ्यक्रम : मुख्य परीक्षा

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPCS) मुख्य परीक्षा के तहत उम्मीदवारों के विविध विषयों से संबंधित ज्ञान के साथ विश्लेषणात्मक कौशल एवं सुसंगत उत्तरों को व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। इसके पाठ्यक्रम को विभिन्न घटकों में विभाजित किया गया है जिसमें भाषा दक्षता, निबंध लेखन और सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र (I से VI) शामिल हैं।

सामान्य हिंदी

- दिये हुए गद्य खंड का अवबोध एवं प्रश्नोत्तर, संक्षेपण, सरकारी एवं अर्द्धसरकारी पत्र लेखन, तार लेखन, कार्यालय आदेश, अधिसूचना।
- शब्द ज्ञान एवं प्रयोग।
    - उपसर्ग एवं प्रत्यय
    - विलोम शब्द
    - वाक्यांश के लिये एक शब्द
    - वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि
- लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे।

निबंध

निबंध के प्रश्नपत्र में 3 खंड होंगे। प्रत्येक खंड से एक-एक विषय पर **700 शब्दों** मे निबंध लिखना होगा। प्रत्येक खंड 50-50 अंकों का होगा।

तीनों खंडों में निम्नलिखित विषयों पर आधारित निबंध के प्रश्न होंगे।

खंड	विषय
खंड A	• साहित्य और संस्कृति • सामाजिक क्षेत्र • राजनीतिक क्षेत्र
खंड B	• विज्ञान, पर्यावरण और प्रौद्योगिकी • आर्थिक क्षेत्र • कृषि, उद्योग और व्यापार
खंड C	• राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम • प्राकृतिक आपदाएँ (जैसे, भूस्खलन, भूकंप, बाढ़, सूखा) • राष्ट्रीय विकास योजनाएँ और परियोजनाएँ

सामान्य अध्ययन-I

विषय	विवरण
भारतीय संस्कृति का इतिहास	• प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला रूपों, साहित्य और वास्तुकला के प्रमुख पहलू।
आधुनिक भारतीय इतिहास	• इसमें 1757 ई. से 1947 ई. तक की महत्त्वपूर्ण घटनाओं, व्यक्तित्वों और मुद्दों को शामिल किया गया है।
स्वतंत्रता संग्राम	• देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/ उनका योगदान।
स्वतंत्रता के बाद का इतिहास	• स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन (1965 ई. तक)।

विश्व इतिहास	• 18वीं शताब्दी से लेकर 20वीं शताब्दी के मध्य तक की घटनाएँ, जिनमें शामिल हैं:
	  ◦ फ्राँसीसी क्रांति (1789)
	  ◦ औद्योगिक क्रांति
	  ◦ विश्व युद्ध
	  ◦ राष्ट्रीय सीमाओं का पुन: सीमांकन
	  ◦ समाजवाद, नाज़ीवाद, फासीवाद इत्यादि के रूप और समाज पर उनके प्रभाव

भारतीय समाज और संस्कृति	• भारतीय समाज की प्रमुख विशेषताएँ एवं सांस्कृतिक पहलू।
महिलाओं की भूमिका और संबंधित मुद्दे	• समाज में महिलाओं की भूमिका • महिला संगठन • जनसंख्या एवं संबंधित मुद्दे • गरीबी और विकासात्मक चुनौतियाँ • शहरीकरण, इसकी समस्याएँ और समाधान
आर्थिक सुधार और प्रभाव	• उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण का अभिप्राय और उनका भारतीय समाज की अर्थव्यवस्था, राज्यव्यवस्था और समाज संरचना पर प्रभाव।
सामाजिक मुद्दे	• सामाजिक सशक्तीकरण, सांप्रदायिकता, क्षेत्रवाद और पंथनिरपेक्षता।
प्राकृतिक संसाधन वितरण	• विश्व के प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों का वितरण- जल, मृदा एवं वन, दक्षिण एवं दक्षिण पूर्व-एशिया में (भारत के विशेष संदर्भ में)। • भारत में उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक।
भौतिक भूगोल	• भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी गतिविधि, चक्रवात, समुद्री धाराएँ, पवनें और ग्लेशियर।
भारत के महासागरीय संसाधन	• भारत के सामुद्रिक संसाधन एवं उनकी संभाव्यता।
मानव प्रवास	• विश्व की शरणार्थी समस्या - भारतीय उपमहाद्वीप के संदर्भ में।
भारतीय उपमहाद्वीपीय सीमाएँ	• सीमांत तथा सीमाएँ- भारत उपमहाद्वीप के संदर्भ में।
जनसंख्या एवं अधिवास	• प्रकार एवं प्रतिरूप, नगरीकरण, स्मार्ट नगर एवं स्मार्ट ग्राम।

सामान्य अध्ययन-II

विषय	विवरण
भारतीय संविधान	• ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएँ, संशोधन, महत्त्वपूर्ण प्रावधान तथा आधारभूत संरचना। संविधान के आधारभूत प्रावधानों के विकास में उच्चतम न्यायालय की भूमिका।

संघ एवं राज्यों के कार्य तथा उत्तरदायित्व	• संघीय ढाँचे से संबंधित विषय एवं चुनौतियाँ, स्थानीय स्तर पर शक्तियों और वित्त का हस्तांतरण और उसकी चुनौतियाँ।
वित्त आयोग	• केंद्र-राज्य वित्तीय संबंधों में वित्त आयोग की भूमिका।
शक्तियों का पृथक्करण	• विवाद निवारण तंत्र तथा संस्थाएँ। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्रों का उदय एवं उनका प्रयोग।
संवैधानिक योजनाओं की तुलना	• भारतीय संवैधानिक योजना की अन्य प्रमुख लोकतांत्रिक देशों के साथ तुलना।
संसद और राज्य की विधायिका	• संरचना, कार्य, कार्य-संचालन, शक्तियाँ एवं विशेषाधिकार तथा संबंधित विषय।
कार्यपालिका और न्यायपालिका	• संरचना, संगठन और कार्य- सरकार के मंत्रालय एवं विभाग, प्रभावक समूह और औपचारिक/अनौपचारिक संघ तथा शासन प्रणाली में उनकी भूमिका। जनहित वाद (पी.आई.एल.)।
लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम	• मुख्य विशेषताएँ, विभिन्न संवैधानिक पदों पर नियुक्ति, शक्तियाँ, कार्य और जिम्मेदारियाँ।
सांविधिक, विनियामक और विभिन्न अर्ध-न्यायिक निकाय	• नीति आयोग समेत- उनकी विशेषताएँ एवं कार्यभाग।
सरकारी नीतियाँ एवं हस्तक्षेप	• इनके अभिकल्पन तथा कार्यान्वयन के मुद्दे एवं सूचना संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.)।
विकास प्रक्रियाएँ	• गैर सरकारी संगठनों की भूमिका, स्वयं सहायता समूह, विभिन्न समूह एवं संघ, अभिदाता सहायतार्थ संस्थाएँ, संस्थागत एवं अन्य अंशधारक।
कल्याणकारी योजनाएँ	• जनसंख्या के अति संवेदनशील वर्गों के लिये कल्याणकारी योजनाएँ और इन योजनाओं का कार्य-निष्पादन, इन अति संवेदनशील वर्गों की रक्षा एवं बेहतरी के लिये गठित तंत्र, विधि, संस्थान एवं निकाय।
सामाजिक क्षेत्र/सेवाएँ	• स्वास्थ्य, शिक्षा और मानव संसाधन के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।
गरीबी और भुखमरी	• राजनीतिक व्यवस्था संबंधी मुद्दे और निहितार्थ।
शासन	• पारदर्शिता और जवाबदेहिता, ई-गवर्नेंस अनुप्रयोग, मॉडल, सफलताएँ, सीमाएँ, नागरिक चार्टर और संस्थागत उपाय।
सिविल सेवाएँ	• लोकतंत्र में उभरती हुई प्रवृत्तियों के संदर्भ में सिविल सेवाओं की भूमिका।
भारत और पड़ोसी देश	• भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंध।
द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक समूह	• भारत से संबंधित और/या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले समझौते।
वैश्विक नीतियाँ और राजनीति	• भारत के हितों एवं अप्रवासी भारतीयों पर विकसित तथा विकासशील देशों की नीतियों तथा राजनीति का प्रभाव।
अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ और एजेंसियाँ	• महत्त्वपूर्ण संस्थाएँ, उनकी संरचना, अधिदेश और कार्यप्रणाली।
समसामयिक घटनाक्रम	• क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की घटनाएँ।

सामान्य अध्ययन-III

विषय	विवरण
भारत में आर्थिक नियोजन	• उद्देश्य एवं उपलब्धियाँ, नीति (एन.आई.टी.आई.) आयोग की भूमिका, सतत् विकास के लक्ष्य (एस.डी.जी.)।
गरीबी और बेरोज़गारी	• गरीबी के मुद्दे, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय एवं समावेशी विकास।
सरकारी बजट और वित्तीय प्रणाली	• घटक एवं संरचना।
कृषि	• प्रमुख फसलें, विभिन्न प्रकार की सिंचाई विधि एवं सिंचाई प्रणाली, कृषि उत्पादन का भंडारण, ढुलाई एवं विपणन, किसानों की सहायता हेतु ई-तकनीकी।
कृषि सब्सिडी और खाद्य सुरक्षा	• अप्रत्यक्ष एवं प्रत्यक्ष कृषि अनुदान तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से जुड़े मुद्दे, सार्वजनिक वितरण प्रणाली-उद्देश्य, क्रियान्वयन, परिसीमाएँ, सुदृढ़ीकरण खाद्य सुरक्षा एवं बफर भंडार, कृषि संबंधित तकनीकी अभियान।
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग	• कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान निर्धारण, उर्ध्व व अधोप्रवाह आवश्यकताएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन।
भूमि सुधार	• भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् भूमि सुधार।
उदारीकरण और वैश्वीकरण	• भारत में वैश्वीकरण तथा उदारीकरण के प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा इनके औद्योगिक विकास पर प्रभाव।
आधारभूत संरचना	• ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन तथा रेलवे आदि।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	• भारत की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीति का दैनिक जीवन में अनुप्रयोग।
स्वदेशीकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	• प्रौद्योगिकी का स्वदेशीकरण, नई प्रौद्योगिकियों का विकास, द्विअनुप्रयोगी एवं तकनीकि उपयोगी प्रौद्योगिकियाँ तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT)	• सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर, ऊर्जा स्रोतों, नैनो प्रौद्योगिकी सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव प्रौद्यागिकी क्षेत्र में जागरूकता। बौद्धिक संपदा अधिकारों एवं डिजिटल अधिकारों से संबंधित मुद्दे।
पर्यावरण सुरक्षा और पारिस्थितिकी तंत्र	• वन्यजीव संरक्षण, जैवविविधता, पर्यावरणीय प्रदूषण एवं क्षरण, पर्यावरणीय प्रभाव आकलन।
आपदा प्रबंधन	• गैर-पारंपरिक सुरक्षा एवं संरक्षा की चुनौती के रूप में आपदा, आपदा का उपशमन एवं प्रबंधन।
अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियाँ	• परमाणु प्रसार, अतिवाद के कारण तथा प्रसार, संचार तंत्र, मीडिया की भूमिका तथा सामाजिक नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा के आधार, मनी लाउंडरिंग तथा मानव तस्करी।
भारत की आंतरिक सुरक्षा चुनौतियाँ	• आतंकवाद, भ्रष्टाचार, उग्रवाद और संगठित अपराध।
सुरक्षा बल और रक्षा संगठन	• भारत में सुरक्षा बलों और उच्च रक्षा संगठनों की भूमिका, प्रकार, अधिदेश।
कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र	• कृषि, बागवानी, वानिकी एवं पशुपालन संबंधी मुद्दे।

सामान्य अध्ययन-IV

विषय	विवरण
नीतिशास्त्र तथा मानवीय अंत:संबंध	• मानवीय क्रियाकलापों में नीतिशास्त्र का सारतत्त्व, इसके निर्धारक और परिणाम: नीतिशास्त्र के आयाम, निजी और सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र।
अभिवृत्ति	• अंतर्वस्तु (कंटेंट), संरचना, कार्य, विचार तथा आचरण के परिप्रेक्ष्य में इसका प्रभाव एवं संबंध, नैतिक और राजनीतिक अभिरुचि, सामाजिक प्रभाव और सहमति पैदा करना।
सिविल सेवा के लिये अभिरुचि तथा बुनियादी मूल्य	• सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता तथा गैर-तरफदारी, वस्तुनिष्ठता, सार्वजनिक सेवा के प्रति समर्पण भाव, कमज़ोर वर्गों के प्रति सहानुभूति, सहिष्णुता तथा करुणा।
भावनात्मक बुद्धिमत्ता (EI)	• अवधारणाएँ तथा आयाम, प्रशासन और शासन व्यवस्था में उनकी उपयोगिता और प्रयोग।
नैतिक विचारक और दार्शनिक	• भारत और विश्व के नैतिक विचारकों और दार्शनिकों का योगदान।
लोक प्रशासन में लोक / सिविल सेवा मूल्य तथा नीतिशास्त्र	• स्थिति तथा समस्याएँ, सरकारी तथा निजी संस्थानों में नैतिक सरोकार तथा दुविधाएँ, नैतिक मार्गदर्शन के स्रोतों के रूप में विधि, नियम, नियमन तथा अंतर्रात्मा, जवाबदेही तथा नैतिक शासन व्यवस्था में नैतिक मूल्यों का सुदृढ़ीकरण, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों तथा निधि व्यवस्था (फंडिंग) में नैतिक मुद्दे, कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था।
शासन व्यवस्था में ईमानदारी	• लोक सेवा की अवधारणा, शासन व्यवस्था और ईमानदारी का दार्शनिक आधार, सरकार में सूचना का आदान-प्रदान और पारदर्शिता, सूचना का अधिकार, नीतिपरक आचार संहिता, आचरण संहिता, नागरिक घोषणा पत्र, कार्य संस्कृति, सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता, लोक-निधि का उपयोग, भ्रष्टाचार की चुनौतियाँ।
केस स्टडी	• उपर्युक्त विषयों से संबंधित केस स्टडी

सामान्य अध्ययन-V

विषय	विवरण
उत्तर प्रदेश का इतिहास, सभ्यता, संस्कृति एवं प्राचीन नगर	• उत्तर प्रदेश के प्राचीन शहरों सहित ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विकास का अवलोकन।
उत्तर प्रदेश की वास्तुकला	• महत्ता एवं रख-रखाव, संग्रहालय, अभिलेखागार एवं पुरातत्व।
स्वतंत्रता संग्राम	• भारत के स्वतंत्रता संग्राम में वर्ष 1857 से पहले एवं बाद में उत्तर प्रदेश का योगदान।
सुविख्यात व्यक्तित्व	• उत्तर प्रदेश के सुविख्यात स्वतंत्रता सेनानी एवं व्यक्तित्व।
ग्रामीण, शहरी और जनजातीय मुद्दे	• सामाजिक संरचना, त्योहार, मेले, संगीत, लोकनृत्य, भाषा एवं साहित्य / बोली, सामाजिक प्रथाएँ एवं पर्यटन।

उत्तर प्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था	• शासन प्रणाली, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, विधान सभा एवं विधान परिषद, केंद्र-राज्य संबंध।
लोक सेवा	• लोक सेवा आयोग, लेखा परीक्षा, महाधिवक्ता, उच्च न्यायालय तथा उत्तर प्रदेश में इसका क्षेत्राधिकार।
उत्तर प्रदेश राज्य विशेष	• राजभाषा, संचित निधि एवं आकस्मिक निधि, राजनीतिक दल एवं राज्य निर्वाचन आयोग।
स्थानीय स्वशासन	• शहरी एवं पंचायती राज, लोकनीति, अधिकार संबंधी मुद्दे।
सुशासन	• भ्रष्टाचार निवारण, लोकायुक्त, सिटीजन चार्टर, ई-गवर्नेंस सूचना का अधिकार, समाधान योजना।
भूमि सुधार	• उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार एवं इसका प्रभाव।
उत्तर प्रदेश में सुरक्षा संबंधी मुद्दे	• उग्रवाद के प्रसार एवं विकास के बीच संबंध, बाह्य, राज्य एवं अंतर राज्यीय सक्रियकों से आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौतियों पैदा करने में संचार नेटवर्कों, मीडिया एवं सोशल नेटवर्किंग साइट्स की भूमिका, साइबर सुरक्षा, धन शोधन, सुरक्षा बल, संगठित अपराध और सीमा सुरक्षा चुनौतियाँ।
विधि एवं व्यवस्था तथा नागरिक सुरक्षा	• उत्तर प्रदेश में विधि एवं नागरिक सुरक्षा से संबंधित प्रबंधन एवं मुद्दे।
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे	• उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य चुनौतियाँ एवं चिकित्सा सेवाएँ।
शिक्षा प्रणाली	• उत्तर प्रदेश में राज्य शिक्षा प्रणाली का अवलोकन एवं उससे संबंधित मुद्दे।
विकास योगदान	• भारत के समग्र विकास में उत्तर प्रदेश का योगदान।
उत्तर प्रदेश के समसामयिक मामले	• उत्तर प्रदेश के हालिया घटनाक्रम।
कल्याणकारी योजनाएँ	• उत्तर प्रदेश में जल शक्ति मिशन और अन्य केंद्रीय कल्याणकारी योजनाओं का कार्यान्वयन।
उत्तर प्रदेश में NGO	• उत्तर प्रदेश में गैर सरकारी संगठनों संबंधी मुद्दे, योगदान और प्रभाव।
उत्तर प्रदेश में पर्यटन	• उत्तर प्रदेश में पर्यटन विकास संबंधी मुद्दे और संभावनाएँ।
उत्तर प्रदेश में नवाचार	• उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार: संबंधित मुद्दे एवं इसका समाज में रोज़गार एवं सामाजिक-आर्थिक विकास पर प्रभाव।

सामान्य अध्ययन-VI

विषय	विवरण
उत्तर प्रदेश का आर्थिक परिदृश्य	• अर्थव्यवस्था एवं राज्य बजट की मुख्य विशेषताएँ, बुनियादी ढाँचा एवं भौतिक संसाधनों का महत्त्व।
उत्तर प्रदेश का व्यापार, वाणिज्य और उद्योग	• उत्तर प्रदेश में व्यापार और औद्योगिक क्षेत्र का अवलोकन।
उत्तर प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएँ, परियोजनाएँ	• लोगों के कल्याण, मानव संसाधन और कौशल विकास पहल के लिये योजनाबद्ध विकास।
उत्तर प्रदेश में निवेश	• राज्य की अर्थव्यवस्था और विकास संबंधी मुद्दे और उनका प्रभाव।
लोक वित्त और राजकोषीय नीति	• लोक वित्त एवं राजकोषीय नीति, कर एवं आर्थिक सुधार, एक जिला एक उत्पाद नीति।
नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन	• उत्तर प्रदेश में ऊर्जा संसाधनों की योजना और प्रबंधन।
उत्तर प्रदेश की जनांकिकी और जनसंख्या	• उत्तर प्रदेश की जनांकिकी और जनगणना विवरण।
कृषि व्यावसायीकरण	• उत्तर प्रदेश में कृषि का व्यावसायीकरण एवं कृषि फसलों का उत्पादन।
उत्तर प्रदेश की अद्यतन वानिकी नीति	• उत्तर प्रदेश की अद्यतन वानिकी नीति एवं महत्त्व।
उत्तर प्रदेश की कृषि एवं सामाजिक वानिकी	• सतत् विकास संबंधी पहल और उनकी भूमिका।
कृषि विविधता और समस्याएँ	• उत्तर प्रदेश की विशिष्ट कृषि चुनौतियाँ एवं उनके समाधान।
उत्तर प्रदेश के विकास सूचकांक	• उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में विकासीय सूचकांक।
उत्तर प्रदेश का भूगोल	• भौगोलिक स्थिति, उच्चावच एवं संरचना, जलवायु सिंचाई, खनिज, अपवाह प्रणाली एवं वनस्पति।
राष्ट्रीय उद्यान और वन्यजीव अभयारण्य	• उत्तर प्रदेश में संरक्षण और जैवविविधता के प्रमुख स्थल।
उत्तर प्रदेश में परिवहन नेटवर्क	• उत्तर प्रदेश की परिवहन अवसंरचना का अवलोकन।
विद्युत संसाधन एवं औद्योगिक विकास	• राज्य की ऊर्जा अवसंरचना और औद्योगिक विकास।
उत्तर प्रदेश में प्रदूषण और पर्यावरण संबंधी मुद्दे	• प्रदूषण चुनौतियाँ, पर्यावरणीय मुद्दे और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की भूमिका।
उत्तर प्रदेश के प्राकृतिक संसाधन	• इनमें मृदा, जल, वन, घास के मैदान और आर्द्रभूमि शामिल हैं।
जलवायु परिवर्तन और मौसम पूर्वानुमान	• जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दे और उत्तर प्रदेश के संदर्भ में

	मौसम पूर्वानुमान संबंधी प्रगति।
अधिवास और पारिस्थितिकी तंत्र	• उत्तर प्रदेश के संदर्भ में अधिवास पारिस्थितिकी तंत्र- संरचना एवं कार्य, समायोजन, जीव-जंतु एवं वनस्पतियाँ।
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	• विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी मुद्दे, प्रगति और राज्य-विशिष्ट प्रयास।
उत्तर प्रदेश में मत्स्य, अंगूर, रेशम, फूल, बागवानी एवं पौध उत्पादन	• उत्तर प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास पर इनका प्रभाव।
सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP)	• उत्तर प्रदेश के विकास में PPP की भूमिका।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uppcs-mains-syllabus